# मुख्य न्यायाधीश द्वारा SCO सदस्य देशों से न्यायिक सहयोग के लिये प्रयास करने का आह्वान

## प्रिलिम्स के लिये:

भारत का मुख्य न्यायाधीश (CJI), शंघाई सहयोग संगठन (SCO), सर्वोच्च न्यायालय की रिपोर्ट का ई-संस्करण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), शंघाई फाइव, अत्यधिक आबादी वाली जेलें।

## मेन्स के लिये:

न्यायपालिका में प्रौद्योगिकी का महत्त्व, SCO।

## चर्चा में क्यों?

भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) ने हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के सदस्य देशों के सर्वोच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों/अध्यक्षों की 18वीं बैठक को संबोधित किया।

- इस बैठक में सदस्य और पर्यवेक्षक राज्यों को उन **चुनौतियों पर विचार करने का अवसर प्रदान किया गया जो उनके अधिकार क्षेत्र के लिये साधारण** हैं, इसके साथ ही **आपसी सहयोग, अनुभव और ज्ञान को साझा करने** पर बल दिया गया।

## बैठक के प्रमुख बिंदु:

- **स्मार्ट और अभिगम्य न्यायपालिका:**
  - भारत के मुख्य न्यायाधीश ने न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और आम लोगों के लिये **अधिक स्मार्ट एवं अभिगम्य** बनाने के लिये न्यायिक सहयोग तथा नए तंत्र को अपनाने की **आवश्यकता** पर प्रकाश डाला।
- **न्यायपालिका में प्रौद्योगिकी का महत्त्व:**
  - भारत के मुख्य न्यायाधीश ने **नागरिकों और न्याय प्रणाली के बीच की खाई को पाटने में प्रौद्योगिकी के महत्त्व पर भी बल दिया।**
  - भारत के मुख्य न्यायाधीश ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किये गए हाल के प्रयासों को साझा किया, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की रिपोर्ट का ई-संस्करण **लॉन्च** करना, **न्यायिक कार्यवाही का** कृत्रिम बुद्धिमत्ता**-आधारित लाइव ट्रांसक्रिप्शन** और **कई क्षेत्रीय भाषाओं** में निर्णयों का अनुवाद आदि शामिल हैं।
- **प्रमुख मुद्दे:**
  - इसके अलावा जेलों में कैदियों की अत्यधिक संख्या, गुणवत्तापूर्ण कानूनी प्रतिनिधित्व तक पहुँच, **आधुनिक सार्वजनिक न्यायिक सेवाओं**, न्यायिक कार्यवाही का बोझ, **सीमित न्यायिक संसाधन**, **लंबित मामलों की अधिकता** और पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता जैसे विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला गया।

## शंघाई सहयोग संगठन (SCO):

- **परिचय:**
  - SCO एक क्षेत्रीय अंतर-सरकारी संगठन है जो **सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के क्षेत्रों में अपने सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है।**
- **उत्पत्ति:**
  - वर्ष 2001 में SCO के गठन से पहले **कज़ाखस्तान, चीन, किर्गिज़स्तान, रूस और ताजिकिस्तान शंघाई फाइव के सदस्य थे।**
    - वर्ष 2001 में संगठन में **उज़्बेकिस्तान के शामिल होने के बाद शंघाई फाइव का नाम बदलकर SCO कर दिया गया।**
  - **भारत और पाकिस्तान वर्ष 2017 में इसके सदस्य बने।**
  - **पर्यवेक्षक देश:** ईरान और बेलारूस
    - **ईरान** सबसे बड़े **क्षेत्रीय संगठन SCO का सबसे नवीनतम सदस्य होगा**, जब वह **अप्रैल 2023 में भारत की अध्यक्षता** में

फोरम में शामिल होगा।

- **संरचना:**
  - **राज्य परिषद के प्रमुख:** यह सर्वोच्च SCO निकाय जो आंतरिक संचालन और अन्य देशों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ बातचीत के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार करता है।
  - **सरकारी परिषद के प्रमुख:** यह बजट को मंज़ूरी देता है और **SCO के आर्थिक क्षेत्रों की बातचीत से संबंधित मुद्दों पर विचार करता है एवं निर्णय लेता है।**
  - **विदेश मामलों के मंत्रियों की परिषद:** दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों से संबंधित मुद्दों पर विचार करती है।
  - **क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी संरचना (Regional Anti-Terrorist Structure- RATS):** आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से निपटने हेतु स्थापित।
- **राजभाषा:**
  - SCO सचिवालय की **आधिकारिक कामकाज़ी भाषाएँ रूसी और चीनी हैं।**

## निष्कर्ष:

- सदस्य राज्यों ने अपनी न्यायपालिका के **भविष्य हेतु साझा लक्ष्यों पर सहमति व्यक्त की और वर्ष 2024 के लिये क्रमानुसार उज़्बेकिस्तान को मुख्य न्यायाधीशों/अध्यक्षों की आगामी बैठक हेतु अध्यक्षता सौंपी।**

## UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

**प्रश्न. निम्नलिखित पर विचार कीजिये: (2022)**

1. एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक)
2. प्रक्षेपास्त्र प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रज़ीम)
3. शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गेनाईज़ेशन)

**भारत उपर्युक्त में-से किसका/किनका सदस्य है?**

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

**उत्तर: (d)**

---

### ??????:

**प्रश्न. भारत में उच्चतर न्यायपालिका के न्यायाधीशों की नियुक्ति के संदर्भ में 'राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम, 2014' पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (2017)**

## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cji-urges-sco-member-states-to-strive-for-judicial-cooperation